मनसा सेवा - 32

➢➢ पाप क्या है ?

➳ _ ➳ जिससे आत्मा की अवनति होती है...

➳ _ ➳ पापा अर्थात

→ विस्मृति

→ अज्ञान

→ अन्धकार

→ Unawareness

➢➢ पाप कैसे / क्यों होता है ?

➳ _ ➳ देह अभिमान

➳ _ ➳ संग दोष

➳ _ ➳ बाप को भूलना

➳ _ ➳ कर्तव्य की विस्मृति

➳ _ ➳ अशुद्ध अन्न

➳ _ ➳ तीन “पर” को अपनाना

→ परदर्शन

- दूसरों के अवगुण देखना

→ परचिन्तन

- निंदा
- ग्लानी

→ परमत

➳ _ ➳ व्यर्थ चिंतन

➳ _ ➳ सिनेमा (Sin की मां)

➳ _ ➳ हद की इच्छाएं

➳ _ ➳ मैं और मेरापन

➳ _ ➳ आलस

➳ _ ➳ दूसरों से तुलना करना

→ Superiority Complex

→ Inferiority Complex

- It Is Barrier Between Humanity & Divinity

➢➢ ब्राह्मण जीवन में सूक्षम पाप कौन कौन से हैं ?

➳ _ ➳ लगाव और झुकाव

→ नाम रूप में फंसना

➳ _ ➳ आसक्ति

→ देहधारियों में

→ वस्तुओं में

➳ _ ➳ किसी आत्मा के प्रति विशेष आकर्षण

➳ _ ➳ किसी आत्मा के अवगुण को फैलाना

➳ _ ➳ अमानत में खयानत

→ यज्ञ की स्थूल वस्तु का अपने स्वार्थ के लिए इस्तेमाल करना

→ मन में बाप की श्रीमत के विरुद्ध संकल्प चलाना... मन भी बाप की अमानत है..

Avyakt Murli Refrence :- Page Number 24 Of Mansa Sewa Book